पैगंबर मुहम्मद के चमत्कार (2 का भाग 1)

रेटगि:

ववरिण: ?? ?? ??? ????????? ?? ??????? ?? ?????? ??????? ?????? ??? ?? ??? ????????? ?? ???????? ???????

श्रेणी: पाठ › पैगंबर मुहम्मद › उनकी जीवनी

द्वारा: Imam Mufti (© 2016 NewMuslims.com)

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

उद्देश्य

- यह जानना कि अल्लाह ने पैगंबरो को चमत्कार क्यों दिए थे।
- इस बात को समझना कि क़ुरआन एक चमत्कार है।
- क़ुरआन एक चमत्कार कैसे है इसके चार पहलुओं को जानना।

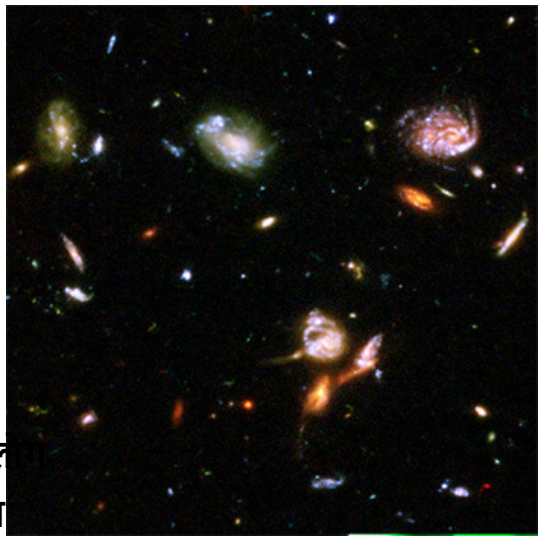

चमत्कार वह है जो अल्लाह के पैगंबर के दावे को साबित करता है। पैगंबर मुहम्मद (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने अपनी पैगंबरी का प्रमाण देने के लिए कई चमत्कार किए थे।

इस्लाम के पैगंबर ने कहा,

"हर पैगंबर को 'निशानियां' दी गई थी, जिसके कारण ल
उन पर विश्वास करते थे। वास्तव में, मुझे ईश्वरीय
रहस्योद्घाटन दिया गया है जिसे अल्लाह ने मुझ पर प्रकट किया है। इसलिए, मैं आशा करता हूं कि
पुनरुत्थान के दिन सभी पैगंबरो से अधिक अनुयायी मेरे होंगे।"[1]

क़ुरआन का चमत्कार

संक्षेप में, क़ुरआन का चमत्कार निम्नलिखित पहलुओं मे है:

ए. भाषा का चमत्कार

बी. भविष्य की भविष्यवाणियों का चमत्कार

सी. आंतरिक संगतता का चमत्कार

ए. भाषा का चमत्कार

क़ुरआन की भाषा की सर्वोच्चता को किसी अन्य भाषा में पूरी तरह से व्यक्त या समझा नहीं जा सकता है क्योंकि अंग्रेजी में समानताएं और शास्त्रीय अरबी के परिष्कार का अभाव है। यही कारण है कि क़ुरआन का अनुवाद क़ुरआन नही होता है। एक अनुवाद कुछ हद तक अर्थ बताता है, लेकिन मूल क़ुरआन की भाषाई सर्वोच्चता की नकल कभी नहीं कर सकता। इसलिए, हम अपनी चर्चा को केवल कुछ पहलुओं तक सीमित रखने के लिए मजबूर हैं।

·शब्दों और अर्थों की अद्वितीयता

सभी अरबी व्याकरण, न्यायशास्त्र, ज्ञान और भाषाशास्त्र क़ुरआन पर आधारित है। उदाहरण के लिए, इस्लाम के बाद के कवि अपने कार्यों को शक्तिशाली बनाने के लिए क़ुरआन के शब्दों को नकल करते थे क्योंकि क़ुरआन को अलंकारिक रूप से नायाब माना जाता था। इसकी सामग्री की गहराई, ज्ञान और सुंदरता का कोई मेल नही है। जो कोई भी क़ुरआन के साथ बाइबिल और अन्य धार्मिक ग्रंथों की सामग्री की तुलना करता है वो अंतर को साफ देख सकता है।

·शैली (असलब) की अद्वितीयता

क़ुरआन प्राचीन अरबों के काव्य तुकबंदी के नियमों का पालन नहीं करता है, फिर भी यह जो आनंद पैदा करता है वह कविता से अधिक मीठा होता है। रहस्य शब्दों की व्यवस्था द्वारा निर्मित सामंजस्य में है।

जब साधारण मनुष्य किसी चीज को दोहराता है, तो वह शक्ति और प्रभाव खो देता है। वहीं दूसरी ओर, क़ुरआन की पुनरावृत्ति अपनी मिठास खोए बिना समान रूप से सशक्त और सार्थक है।

बी. भविष्य की भविष्यवाणियों का चमत्कार

क़ुरआन ने कई भविष्यवाणियां कीं जो सच हुई है। हम यहां सिर्फ तीन की चर्चा करेंगे।

पहली दो भविष्यवाणियां उल्लेखनीय हैं: किसी भी अन्य विश्व शास्त्र के विपरीत, क़ुरआन ईश्वरीय देखभाल के तहत अपने स्वयं के संरक्षण की भविष्यवाणी करता है।

·भ्रष्टाचार से क़ुरआन की रक्षा

क़ुरआन वो दावा करता है जिसे कोई अन्य धार्मिक ग्रन्थ नहीं करता है: अल्लाह इसके पाठ को परिवर्तन से सुरक्षित रखेगा। अल्लाह कहता है,

"वास्तव में, हमने ही ये शिक्षा (क़ुरआन) उतारी है और हम ही इसके रक्षक हैं।" (क़ुरआन 15: 9)

·क़ुरआन को याद करने में आसानी

अल्लाह ने क़ुरआन को याद करना आसान बना दिया है,

"और हमने सरल कर दिया है क़ुरआन को शिक्षा के लिए। तो क्या, है कोई शिक्षा ग्रहण करने वाला?" (क़ुरआन 54:17)

जिस सहजता से क़ुरआन को याद किया जाता है वह अतुलनीय है। दुनिया में एक भी धर्मग्रंथ या धार्मिक ग्रंथ ऐसा नहीं है जिसे याद रखना इतना आसान हो; गैर-अरब भी इसे आसानी से याद कर लेते हैं।

न केवल क़ुरआन के शब्दों को संरक्षित किया गया है, बल्कि उन शब्दों की मूल ध्वनियों को भी संरक्षित किया गया है। किसी अन्य धार्मिक ग्रन्थ को इस तरह से संरक्षित नहीं किया गया है - एक ऐसा दावा जो कोई भी वस्तुनिष्ठ पाठक खुद सत्यापित कर सकता है। इस प्रकार, क़ुरआन सदियों से अपने संरक्षण के तरीके में अद्वितीय है जैसा कि इसकी भविष्यवाणी की गई और खुद अल्लाह ने वादा किया।

·दोहरी भविष्यवाणी

इस्लाम के उदय से पहले, रोमन और फारसी दो प्रतिस्पर्धी महाशक्ति थे। रोमनों का नेतृत्व एक ईसाई सम्राट हेराक्लियस (610-641 सीई) ने किया था, जबकि फारस के लोग खोस्रो परविज़ (590-628 सीई तक शासन किया) के नेतृत्व में पारसी थे, जिसके तहत साम्राज्य ने अपना सबसे बड़ा विस्तार किया था।

614 सीई मे फारसियों ने सीरिया और फलिस्तीन पर विजय प्राप्त की, यरूशलेम और क्राइस्ट क्रॉस पर कब्ज़ा किया, और 619 सीई मे मिस्र और लीबिया पर कब्जा कर लिया। अवारों को शांत करने के लिए, हेराक्लियस ने उनसे थ्रेसियन हेराक्लीया (617 या 619 सीई) मे युद्ध किया। उन्होंने उसे पकड़ने की कोशिश की, और वह गुस्से मे वापस कॉन्स्टेंटिनोपल चला गया, उसका पीछा किया गया।[2]

रोमन की हार से मुसलमान दुखी थे क्योंकि वे पारसी फारस की तुलना में आध्यात्मिक रूप से ईसाई रोम के करीब महसूस करते थे, लेकिन बुतपरस्त फारस की जीत से मक्का स्वाभाविक रूप से खुश थे। मक्का के लिए, रोमन से हार बुतपरस्त हाथों से मुस्लिम हार का एक भयावह अपशकुन था। उस समय अल्लाह की भविष्यवाणी ने विश्वासियों को दिलासा दिया,

"पराजित हो गये रूमी। समीप की धरती में और वे अपने पराजित होने के पश्चात् जल्द ही विजयी हो जायेंगे! कुछ वर्षों में, अल्लाह ही का अधिकार है पहले (भी) और बाद में (भी) और उस दिन प्रसन्न होंगे विश्वासी अल्लाह की सहायता से। वह जिसकी चाहता है उसकी मदद करता है तथा वही अति प्रभुत्वशाली, दयावान् है।' (क़ुरआन 30:2-4)

क़ुरआन ने दो जीत की भविष्यवाणी की थी:

(i) दस वर्षों के भीतर रोमन की फारसियों पर जीत, जो उस समय अकल्पनीय था।

(ii) विश्वासियों की मूर्तिपूजकों पर जीत की खुशी।

और ऐसा हुआ भी।

एक भारतीय विद्वान के शब्दों में,

'...भविष्यवाणी की एक पंक्ति चार राष्ट्रों और दो महान साम्राज्यों के भाग्य से संबंधित थी। यह सब पवित्र क़ुरआन को अल्लाह की किताब साबित करता है।'

सी. आंतरिक संगतता का चमत्कार

अल्लाह क़ुरआन की आंतरिक संगतता को उसके दैवीय मूल के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करता है,

"तो क्या वे क़ुरआन के अर्थों पर सोच-विचार नहीं करते? यदि वे अल्लाह के सिवा दूसरे की ओर से होता, तो उसमें बहुत सी प्रतिकूल (बेमेल) बातें पाते।" (क़ुरआन 4:82)

उदाहरण के लिए, वह व्यक्ति जो बाइबिल की आंतरिक विसंगतियों को जानता है, इस तर्क के सराहना कर सकता है। अन्य धार्मिक ग्रंथों के विपरीत, अल्लाह, पैगंबर हूद, मूसा, यीशु, बुराई, शैतान और परलोक पर क़ुरआन की शिक्षाएं लयबद्ध और आंतरिक रूप से सुसंगत है।

फुटनोट:

[1] *???? ??-??????*

[2] http://www.britannica.com/biography/Heraclius-Byzantine-emperor

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/index.php/hi/articles/315

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।